पटना

NEWS18 PAPER

VOL. 2026 NO. 172 | TUE, OCT 6, 2026

PRICE ₹ ~~3.00~~ FREE

सब्सक्राइब करें

फॉलो करें

टॉप न्यूज

दिनभर की खबरों का डोज

इधर अनंत सिंह के साथ खड़े हुए ललन सिंह, उधर नीतीश आवास पहुंचे JDU के बड़े दिग्गज; क्या है अंदर की कहानी?

बिहार में जेडीयू के भीतर अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद को लेकर हलचल तेज हो गई है। ललन सिंह ने अनंत सिंह की शिकायतों को कुछ हद तक सही माना और पार्टी से कार्रवाई की जरूरत बताई। उन्होंने दोनों नेताओं से बातचीत कर विवाद शांत करने की कोशिश की। इसी बीच जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं ने नीतीश कुमार से मुलाकात की, जिससे पार्टी के मौजूदा हालात और विवाद पर चर्चा हुई। अब सबकी नजर है कि नेतृत्व इस विवाद को कैसे सुलझाता है।... **और पढ़ें** ↓

‘राहुल गांधी का बस चला होता तो कब का सरकार गिरा देते, लेकिन...’, उपेंद्र कुशवाहा का पलटवार, बोले-उनके बोलने का कोई अर्थ नहीं

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के सरकार विरोधी बयान पर पलटवार किया है। कुशवाहा ने कहा कि राहुल गांधी के बयानों का कोई अर्थ नहीं है और वे केवल खबरों में बने रहने के लिए ऐसा करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हुए कहा कि जनता प्रधानमंत्री के साथ है और सरकार जनता के लिए काम कर रही है। साथ ही, कुशवाहा ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की भाषा की भी आलोचना की।... **और पढ़ें** ↓

कौन हैं कड़क महिला IPS प्रीता वर्मा, जिन पर सम्राट सरकार ने फिर जताया भरोसा; बनी रहेंगी बिहार की कार्यवाहक DGP

बिहार सरकार ने 1991 बैच की आईपीएस अधिकारी प्रीता वर्मा को राज्य की कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (DGP) के रूप में अगले आदेश तक अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। पूर्व DGP विनय कुमार के अवकाश पर जाने के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। प्रीता वर्मा के सामने राज्य

में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था मजबूत करने की चुनौती है। यह नियुक्ति स्थायी नहीं है, बल्कि नियमित DGP की नियुक्ति प्रक्रिया अलग से होगी।... **और पढ़ें** ↓

टॉप न्यूज | दिनभर की खबरों का डोज | ↑ टॉप

दरभंगा स्नातक सीट पर महागठबंधन में घमासान! RJD-कांग्रेस के बाद माले ने भी उतारा उम्मीदवार

बिहार विधान परिषद चुनाव में महागठबंधन के भीतर दरभंगा स्नातक सीट पर आरजेडी, कांग्रेस और भाकपा-माले के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। आरजेडी से अनिल कुमार झा, कांग्रेस से रजनीकांत पाठक और माले से संदीप चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं। तीनों दलों के प्रत्याशी एक ही सीट पर उतरने से गठबंधन में सीटों के तालमेल की चुनौती बढ़ गई है। नामांकन की अंतिम तारीख 6 अक्टूबर है और मतदान 23 अक्टूबर को होगा।... **और पढ़ें** ↓

‘बाढ़ में मदद की जगह पिस्टल तान रही पुलिस’, तेजस्वी ने सरकार पर बोला हमला; SIR पर क्या कहा?

बिहार में SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर विपक्ष ने चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग बीजेपी के लिए काम कर रहा है और वोट रिकॉर्ड की सुरक्षा अवधि घटाने पर सवाल उठाए। INDIA गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ बिहार में मार्च और देशभर में रैलियों का ऐलान किया है। विपक्षी एकजुटता से सियासी टकराव और तेज होने की संभावना है।... **और पढ़ें** ↓

आज का 'लाइफ हैक'

मिक्सर जार के ब्लेड को साफ करने के लिए उसमें थोड़ा गर्म पानी, डिशवॉश जेल और नींबू का छिलका डालकर कुछ सेकंड के लिए चलाएं। इससे जिद्दी गंदगी आसानी से साफ हो जाएगी और जार चमक उठेगा।

आज का इतिहास

- साल 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और नमक सत्याग्रह के महत्व को पूरे देश में रेखांकित किया था।
- वर्ष 1857 में प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष की ज्वाला पूरे उत्तर भारत में तेजी से फैल रही थी और हर तरफ आक्रोश था।

दिनभर की खबरों का डोज

पटना: GST कमिश्नर के बंद घर में लाखों की चोरी, पुलिस जांच में जुटी.

पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में चोरों ने GST कमिश्नर के बंद घर में घुसकर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी की चोरी कर ली। चोरी की कुल रकम का आकलन अभी नहीं हो पाया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

... और पढ़ें ↗

आसान भाषा में समझें

जब आप अपने माता-पिता के साथ अपने गुल्लक में पैसे जमा करते हैं, तो वे सुरक्षित रहते हैं। ठीक वैसे ही, जब हम अपने पैसे बैंक को देते हैं, तो बैंक उन्हें एक बहुत बड़ी और सुरक्षित तिजोरी में संभाल कर रखता है। जब भी आपको खिलौना खरीदने के लिए पैसों की जरूरत होती है, बैंक आपको आपके पैसे वापस दे देता है।

पटना के डाकबंगला चौराहे पर सजेगा खजुराहो मंदिर जैसा भव्य पंडाल.

पटना के डाकबंगला चौराहे पर नवयुवक संघ श्री दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट इस वर्ष अपने 63वें वर्ष में खजुराहो मंदिर की तर्ज पर 80 फीट ऊंचा भव्य पंडाल बना रही है। पंडाल की सजावट में हुगला पत्ते, जूट, फाइबर और रंगीन स्टोन का उपयोग हुआ है। 12 भव्य एलईडी गेट, आकर्षक लाइटिंग, विशेष मूर्तियां और सुरक्षा के लिए 500 से अधिक सदस्य तैनात रहेंगे। पूजा का सीधा प्रसारण भी उपलब्ध रहेगा और तीनों प्रमुख दिनों पर प्रसाद वितरित किया जाएगा।

... और पढ़ें ↗

क्या आप जानते हैं?

FUN FACT

सुबह उठकर सबसे कठिन काम को सबसे पहले पूरा करें। इससे आपका पूरा दिन तनावमुक्त रहेगा और आपकी कार्यक्षमता में जबरदस्त सुधार देखने को मिलेगा।

मुजफ्फरपुर में फर्जी आधार और पासपोर्ट गिरोह का भंडाफोड़.

मुजफ्फरपुर में फर्जी आधार कार्ड और पासपोर्ट बनाने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। पुलिस ने मास्टरमाइंड एजाज कमर को गिरफ्तार किया, जिसकी ट्रैवल हिस्ट्री में लंदन कनेक्शन मिला है। गिरोह फर्जी आधार बनाकर विदेशी नागरिकों के लिए भारतीय पासपोर्ट जारी करवा रहा था। जांच

में 31 अफगानी और दो बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट मामले सामने आए हैं। नेटवर्क पटना सहित कई जिलों तक फैला होने का शक है। जांच एजेंसियों के लिए फर्जीवाड़े की कड़ी जोड़ना बड़ी चुनौती बन गई है।

... और पढ़ें ↗

आज का मजेदार मीम

जब मम्मी कहती हैं कि मेहमान आने वाले हैं और घर की सफाई शुरू हो जाती है।

गया के पंडों के पास सुरक्षित है 300 साल पुराना वंशावली रिकॉर्ड.

गया जी को पितरों के मोक्ष और पिंडदान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल माना जाता है। यहां के गयापाल पंडा पीढ़ी-दर-पीढ़ी तीर्थयात्रियों और उनके परिवारों का विस्तृत रिकॉर्ड अपनी खाता-बही में रखते हैं। इन बहियों में परिवार का नाम, गोत्र, मूल स्थान, पूर्वजों के नाम और पिंडदान का विवरण दर्ज होता है। कुछ बहियों में 300 साल से अधिक पुराना विवरण है, जबकि भोजपत्र-ताम्रपत्र पर 600 साल तक का रिकॉर्ड सुरक्षित है। यह परंपरा आज भी जारी है।

... और पढ़ें ↗

आज के 5 जरूर करें

1. सुबह जल्दी उठकर पंद्रह मिनट तक योग और प्राणायाम जरूर करें ताकि पूरा दिन ऊर्जा बनी रहे।
2. काम के बीच में हर एक घंटे के बाद पांच मिनट का छोटा ब्रेक लेकर अपनी आंखों को आराम दें।

3. आज पूरे दिन में कम से कम आठ से दस गिलास ताजा पानी पीकर खुद को हाइड्रेटेड रखें।

4. शाम के समय परिवार के साथ बैठकर बिना किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के आधा घंटा बातचीत में बिताएं।

5. सोने से पहले अगले दिन के सभी जरूरी कामों की एक सूची बनाकर डायरी में लिख लें।

भागलपुर में फिर लौटा बाटिक प्रिंट, दुर्गा पूजा पर भारी डिमांड.

भागलपुर को रेशमी शहर कहा जाता है, जहां की साड़ियां देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं। पुराने समय की बाटिक प्रिंट साड़ियां, जो कभी बिहार और बंगाल की शान थीं, अब

फिर से लोकप्रिय हो गई हैं। दुर्गा पूजा के अवसर पर इन साड़ियों की विशेष मांग रहती है। बुनकरों के अनुसार, इन साड़ियों को तैयार करने में काफी मेहनत और समय लगता है। बाटिक प्रिंट के पुनः प्रचलन में आने से यह सिद्ध होता है कि पुराना फैशन फिर से लौट आता है।

... और पढ़ें ↗

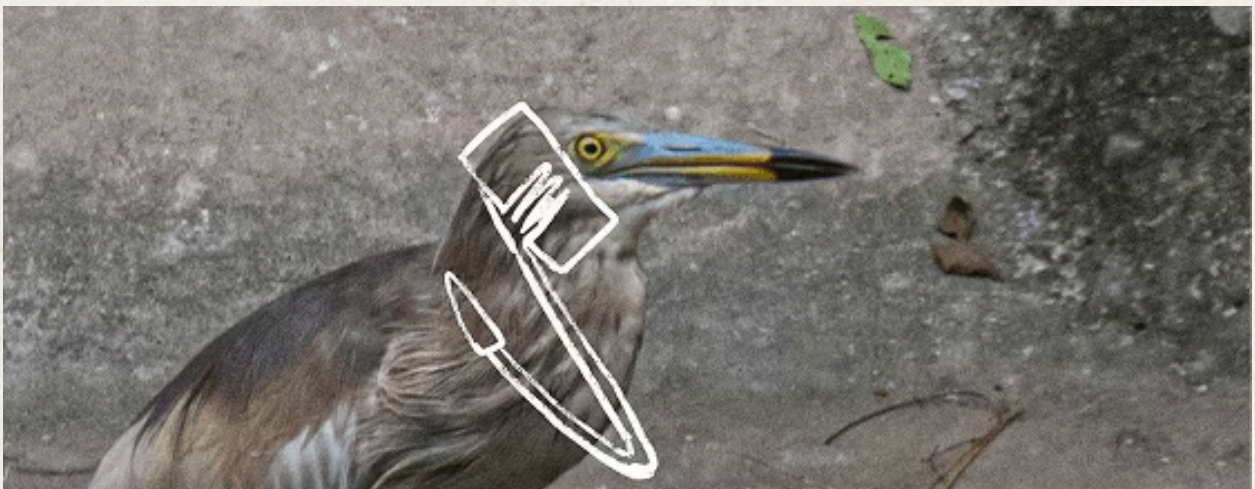

पढ़ते रहिए...

इधर अनंत सिंह के साथ खड़े हुए ललन सिंह, उधर नीतीश आवास पहुंचे JDU के बड़े दिग्गज; क्या है अंदर की कहानी?

पटना में सोमवार को बिहार की राजनीति में जेडीयू के भीतर गहमागहमी और बैठकों का दौर तेज हो गया। यह हलचल जेडीयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के उस बयान के बाद बढ़ी, जिसमें उन्होंने अनंत सिंह और

नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी राय रखी। ललन सिंह ने अनंत सिंह की बातों का आंशिक समर्थन करते हुए कहा कि "क्रिया हुई है तो प्रतिक्रिया भी होगी" और माना कि पार्टी को पहले ही इस मामले में पहल करनी चाहिए थी। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी अनंत सिंह से बातचीत हुई है और अनंत सिंह ने भरोसा दिलाया है कि वे अब सार्वजनिक रूप से नीरज कुमार के खिलाफ बयान नहीं देंगे। इस घटनाक्रम के बीच जेडीयू के प्रमुख नेता विजय कुमार चौधरी, अशोक चौधरी और संजय कुमार झा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस बैठक में पार्टी के मौजूदा राजनीतिक हालात और नेताओं के बीच बढ़ते विवाद पर चर्चा हुई। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को लेकर जेडीयू के भीतर अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच विवाद गहराया हुआ है। पार्टी ने इस विवाद को सुलझाने की जिम्मेदारी ललन सिंह को सौंपी है। ललन सिंह ने कहा कि ताली एक हाथ से नहीं बजती, यानी दोनों पक्षों

की गलती रही है। उन्होंने पार्टी स्तर पर हुई चूक को भी स्वीकार किया और संकेत दिया कि अब बातचीत के जरिए विवाद को शांत करने की कोशिश की जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने जेडीयू के भीतर नेतृत्व और अनुशासन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि पार्टी नेतृत्व आने वाले दिनों में इस विवाद को किस तरह सुलझाता है।

पढ़ते रहिए...

'राहुल गांधी का बस चला होता तो कब का सरकार गिरा देते, लेकिन...', उपेंद्र कुशवाहा का पलटवार, बोले-उनके बोलने का कोई अर्थ नहीं

इस समाचार में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की प्रतिक्रिया को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। राहुल गांधी ने गांधी जयंती के अवसर पर केंद्र सरकार और

चुनाव आयोग के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि हजारों युवा वोट चोरी के विरोध में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं और उनकी मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें। राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाया कि मोदी-शाह सरकार प्रदर्शन कर रहे युवाओं को सड़कों पर घसीट रही है और लाठी से भीड़ को रोका जा सकता है, लेकिन सवालों को नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञानेश कुमार और जिस सिस्टम ने उन्हें नियुक्त किया है, वह भी जाएगा। राहुल गांधी के इन बयानों पर उपेंद्र कुशवाहा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी का बस चलता तो सरकार कब की गिर चुकी होती, लेकिन उन्हें भी मालूम है कि उनके बयान का कोई अर्थ नहीं है। कुशवाहा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी सिर्फ खबरों में बने रहने के लिए ऐसे बयान देते हैं और उनके बयान से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बचाव करते हुए कहा कि जनता प्रधानमंत्री के साथ है और प्रधानमंत्री देश की जनता के लिए काम कर रहे हैं। इसके अलावा,

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को लेकर दिए गए 'अवैध' वाले बयान पर भी कुशवाहा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि खरगे वरिष्ठ नेता हैं और उन्हें इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। कुशवाहा ने खरगे के बयान को 'अज्ञानी जैसी बात' करार दिया। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब विपक्ष लगातार केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री पर सवाल उठा रहा है, वहीं एनडीए के नेता विपक्ष के बयानों पर पलटवार कर रहे हैं।

पढ़ते रहिए...

कौन हैं कड़क महिला IPS प्रीता वर्मा, जिन पर सम्राट सरकार ने फिर जताया भरोसा; बनी रहेंगी बिहार की कार्यवाहक DGP

बिहार में अपराध और कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है और

पुलिस नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि फिलहाल पुलिस की कमान 1991 बैच की आईपीएस अधिकारी प्रीता वर्मा के हाथों में ही रहेगी। गृह विभाग ने 5 अक्टूबर 2026 को जारी अधिसूचना में प्रीता वर्मा को बिहार के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (DGP) का अतिरिक्त प्रभार अगले आदेश तक बढ़ा दिया है। पूर्व DGP विनय कुमार के अवकाश पर जाने के बाद 15 सितंबर से 5 अक्टूबर तक प्रीता वर्मा को DGP का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था, जो अब समाप्त हो रहा था। सरकार ने उनकी जिम्मेदारी को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसका अर्थ है कि जब तक कोई नया आदेश नहीं आता, तब तक प्रीता वर्मा ही बिहार पुलिस की कमान संभालती रहेंगी। प्रीता वर्मा वर्तमान में गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाओं की महानिदेशक-सह-महासमादेष्टा के पद पर भी कार्यरत हैं। DGP का अतिरिक्त प्रभार उनके मौजूदा पद के साथ रहेगा। प्रीता वर्मा 1991 बैच की बिहार कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं, जिनकी शैक्षणिक योग्यता बी.ए.

है और उनका गृह राज्य राजस्थान है। तीन दशकों से अधिक के पुलिस करियर में वे सहरसा, सीवान, बेगूसराय, वैशाली और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों की पुलिस कप्तान रह चुकी हैं। इसके अलावा वे CID, विजिलेंस और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य कर चुकी हैं। उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है। यह नियुक्ति फिलहाल अस्थायी है और स्थायी DGP की नियुक्ति की प्रक्रिया अलग से होगी। सरकार के इस फैसले से बिहार पुलिस नेतृत्व में स्थिरता बनी रहेगी और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतरता बनी रहेगी।

पढ़ते रहिए...

दरभंगा स्नातक सीट पर महागठबंधन में घमासान! RJD-कांग्रेस के बाद माले ने भी उतारा उम्मीदवार

बिहार विधान परिषद चुनाव के संदर्भ में महागठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे को

लेकर विवाद खुलकर सामने आ गया है। दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में महागठबंधन के तीन प्रमुख घटक दल—राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), कांग्रेस और भाकपा-माले—ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। आरजेडी ने अनिल कुमार झा को, कांग्रेस ने रजनीकांत पाठक को और भाकपा-माले ने संदीप चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर तीनों दलों के उम्मीदवार आमने-सामने हैं, जिससे गठबंधन के भीतर तालमेल की समस्या उजागर हो गई है। यह स्थिति तब और महत्वपूर्ण हो जाती है जब महागठबंधन के नेता सार्वजनिक मंचों पर एकजुटता दिखाते हैं, लेकिन चुनावी मैदान में उनके प्रत्याशी एक-दूसरे के खिलाफ हैं। दरभंगा स्नातक सीट पर पहले से ही आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला तय था, अब भाकपा-माले के उम्मीदवार के उतरने से मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। भाकपा-माले के संदीप चौधरी छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के चर्चित छात्र नेता रहे हैं। उनकी उम्मीदवारी से वाम दलों की उपस्थिति भी

मजबूत हुई है। नामांकन की प्रक्रिया जारी है और 6 अक्टूबर नामांकन की अंतिम तिथि है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 9 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। मतदान 23 अक्टूबर को होगा। इस घटनाक्रम से महागठबंधन के भीतर चुनावी रणनीति और तालमेल की चुनौती सामने आई है। दरभंगा स्नातक सीट पर तीनों दलों की अलग-अलग उम्मीदवारी गठबंधन की एकता और प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है। अंतिम नामांकन के बाद ही स्पष्ट होगा कि कौन-कौन मैदान में रहेंगे और चुनावी समीकरण क्या होंगे।

पढ़ते रहिए...

‘बाढ़ में मदद की जगह पिस्टल तान रही पुलिस’, तेजस्वी ने सरकार पर बोला हमला; SIR पर क्या कहा?

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को

लेकर राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्म हो गया है। सोमवार को पटना में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आवास पर INDIA गठबंधन के दलों की बैठक हुई, जिसमें चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए गए। बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के लिए काम कर रहा है। उनके साथ वीआईपी पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी भी मौजूद थे, जिससे विपक्षी एकजुटता का संकेत मिला। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के खिलाफ कोई मुकदमा या प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं है। उन्होंने वोट के रिकॉर्ड को एक साल से घटाकर 45 दिन तक सुरक्षित रखने की नई व्यवस्था पर सवाल उठाए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव की आलोचना की। तेजस्वी के अनुसार, पहले सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (CJI) चयन प्रक्रिया में शामिल होते

थे, लेकिन अब उन्हें हटा दिया गया है, जिससे केंद्र सरकार को मनचाहा मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने का अधिकार मिल गया है। तेजस्वी यादव ने ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाया कि वे केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रहे हैं और चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है और SIR की शुरुआत यहीं से हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि INDIA गठबंधन बिहार में मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ मार्च करेगा और देशभर में रैलियां आयोजित करेगा। विपक्ष ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची की पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं, जिससे आने वाले दिनों में SIR को लेकर सियासी टकराव और तेज होने की संभावना है।

न्यूज18 पेपर को सब्सक्राइब करें

टेलीग्राम पर जुड़ें

© 2026 Network18 Media & Investments Limited